filled on the basis of selection from applications in response to advertisements in newspapers having wide circulation in Andhra Pradesh and the contiguous States Unskilled labour and other Class IV Staff are recruited through Employment Exchanges in Andhra Pradesh For all other categories, recruitment is made on All-India basis on merit

Export of Tea

4219. **Shri S. S. Kothari:** Will the Minister of Commerce be pleased to state·

(a) whether it is a fact that tea exports are the only export where drawback of the excise duty on export is not allowed;

(b) if so, the reasons therefor; and

(c) whether Government propose to allow such drawback in order to encourage the export of tea?

The Minister of Commerce (Shri Dinesh Singh): (a) Yes, Sir.

(b) and (c) At the point of export, the excise duty merges with the export duty, the level of which is fixed taking into account any non-refundable excise duty leviable on tea So long as there is an export duty on tea, it is administratively convenient to fix the level of duty taking into account the excise duty rather than grant draw back of the excise duty as such It is because of this that when excise duties on tea were recently increased as a part of the Budget proposals, the export duty has been suitably reduced.

Lady Passenger Guide at Khurda Road Junction

4220. **Shri Chintamani Panigrahi:** Will the Minister of Railways be pleased to state:

(a) whether Government are aware that there is no lady passenger guide at Khurda Road Junction to guide the female passengers; and

(b) if so, the steps taken in the matter?

The Minister of Railways (Shri C. M. Poonacha): (a) Yes.

(b) The matter is under examination.

मोटर कारों के साथ दिये जाने वाले औजारों का मूल्य

4221. **श्री मृत्युंजय प्रसाद :**
श्री हरिकृष्ण :
श्री वि० ना० सिंह :
श्री प्रेमचन्द वर्मा :

क्या औद्योगिक विकास तथा समवाय-कार्य मंत्री 2 जून, 1967 के अतारांकित प्रश्न संख्या 1399 के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या एम्बेसेडर, फिएट और स्टैण्डर्ड कारों के निर्माताओं द्वारा औजारों का मूल्य अपने खातों में पृथक से दिखाया जाता है;

(ख) यदि हां, तो सरकार उनकी किस्म, उपयोगिता और टिकाऊपन की जांच क्यों नहीं करती है ; और

(ग) क्या सरकार का विचार उक्त औजारों की संख्या, किस्म और मूल्य निर्धारित करने का है ताकि यदि ग्राहक इन औजारों को बाजार में उपलब्ध औजारों की तुलना में अनुपयोगी, महंगे और घटिया पायें तो वे इन्हें अस्वीकार कर दें और बदले में उनका मूल्य वापस ले सकें ?

औद्योगिक विकास तथा समवाय-कार्य मंत्री (श्री फखरुद्दीन अली अहमद) : (क) सरकार को यह ज्ञात नहीं है कि ग्राहकों को दिये जाने वाले औजारों की कीमत कार निर्माताओं द्वारा अपनी लेखा-पुस्तकों में अलग से दिखाई जाती है या नहीं।

(ख) और (ग). देश में बनने वाली कारों की किस्म की जांच करने के लिये शीघ्र ही एक समिति स्थापित करने का विचार

है । यह समिति कारों की किस्म और कार निर्माताओं द्वारा सप्लाई किये जाने वाले औजारों की संख्या के बारे मे भी जांच करेगी ।

कारों का निर्माण

4222. श्री मृत्युंजय प्रसाद :
श्री हरिकृष्ण :
महन्त दिग्विजय नाथ :
श्री प्रेमचन्द वर्मा :

क्या औद्योगिक विकास तथा समवाय-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) वर्तमान क्षमता के अन्तर्गत हो सकने वाले उत्पादन से बैडफोर्ड, फिएट, स्टैंडर्ड, लोलैंड, टैम्पो और टाटा मर्सेडीज कारो का उत्पादन कम होने के क्या कारण हैं ;

(ख) क्या इन कारो के उत्पादन को बढ़ाने के लिये कोई प्रयत्न किए जा रहे हैं ,

(ग) एम्बैसेडर कारो की उत्पादन क्षमता 30,000 तक बढाने के हेतु आवश्यक पुर्जे तथा कच्चे माल के आयात के लिए हिन्दुस्तान मोटर्स ने दिसम्बर, 1966 मे कितनी विदेशी मुद्रा की माग की थी , और

(घ) प्रीमियर आटोमोबाइल्स ने फिएट कारो की उत्पादन क्षमता 30,000 तक करने के हेतु अपने कारखाने का विकास करने के लिए तथा क्षमता बढ़ जाने के बाद फलतः पुर्जे तथा कच्चे माल के आयात के लिए कितनी कितनी विदेशी मुद्रा की माग की है ?

औद्योगिक विकास तथा समवाय-कार्य मंत्री (श्री फखरुद्दीन अली अहमद) : (क) और (ख). जनवरी से मई, 1967 के दौरान उत्पादन में कमी पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में केवल बैडफोर्ड वाणिज्यिक गाड़ियो, स्टैण्डर्ड एक टन तक ट्रक तथा टैम्पो तीन पहियों वाले तक सीमित है । टाटा मर्सेडीज बैंज और लीलैंड वाणिज्यिक गाड़ियों तथा फिएट और स्टैण्डर्ड हेराल्ड कारों के निर्माण में वस्तुत: इसी अवधि में पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में बढ़ा है ।

वाणिज्यिक गाड़ियों के उत्पादन में कमी इन गाड़ियो की मांग गिर जाने के कारण हुई है, जब तक माग बढ़ नही जाती तब तक इनका उत्पादन बढ़ाने की गुंजाइश नही है ।

(ग) हिन्दुस्तान मोटर्स लि० कलकत्ता ने दिसम्बर, 1966 मे 908 लाख रु० की विदेशी मुद्रा एक वर्ष के लिए नियत करने के लिए कहा है जिससे वह कारो का अपना उत्पादन बढ़ा कर 30,000 कारे प्रति वर्ष कर सके ।

(घ) जनवरी, 1967 मे मैसर्स प्रीमियर आटोमोबाइल्स लि० बम्बई ने फिएट कारो की क्षमता बढ़ा कर 30,000 प्रति वर्ष कर देने का एक प्रस्ताव रखा था । उन्होंने बताया था कि उन्हे पूजीगत वस्तुओ का आयत करने के लिए 3.75 करोड रु० की विदेशी मुद्रा की आवश्यकता पड़ेगी । प्रस्तावित विस्तार करने के लिए उन्होने पुर्जों और कच्चे माल का आयात करने के लिए विदेशी मुद्रा की अपनी कुछ भी आवश्यकता का सकेत नहीं किया था ।

बिहार में सीमेंट का वितरण

4223. श्री सिद्धेश्वर प्रसाद :
श्री मुद्रिका सिंह :
श्री भोगेन्द्र झा :

क्या औद्योगिक विकास तथा समवाय-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या उनका ध्यान इस बात की ओर दिलाया गया है कि बिहार राज्य में सीमेंट के वितरण में बड़ा गोलमाल हो रहा है